दूरस्थ शिक्षा

खण्ड-11

अस्पताल प्रशासन के विधिक पहलू

(Legal Aspect of Hospital Administration)

(हिन्दी रुपान्तर : केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
न्यू महरोली रोड, मुनीरका, नई दिल्ली-110067

आरोग्यम् सुखसम्पदा

दूरवर्ती शिक्षा के माध्यम से अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

ब्लॉक - 11

अस्पताल प्रशासन के विधिक पहलू

यूनिट - 1
अस्पतालों पर लागू होने वाले कानून

यूनिट - 2
चिकित्सीय-विधिक मामले और विधिक उत्तरदायित्व

यूनिट - 3
चिकित्सा नीतिशास्त्र

अगस्त, 2002

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, 2002 सर्वाधिकार सुरक्षित। राष्ट्रीय स्वास्थ्य ए वं परिवार कल्याण संस्थान, मुनीरका, नई दिल्ली की लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी भाग को अनुलिपि बनाकर (मिमियोग्राफ द्वारा) अथवा किसी अन्य साधन द्वारा किसी भी रु प में उद्धृत नहीं किया जा सकता है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित

पाठयक्रम कोर टीम

पाठयक्रम निदेशक	प्रो.एम.सी.कपिलाश्रमी
पाठयक्रम समन्वयक	डा.जे.के.दास

यूनिट लेखक

डा.जार्ज पॉल	मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
डा.एस.के.शर्मा	जिला अस्पताल, गुडगाँव
डा.ए.के.खोखर	ई.एस.आई अस्पताल, बसईदारापुर, नई दिल्ली

सम्पादक मंडल

प्रो.एस.सी.कपिलाश्रमी	निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली।
डा.जे.के.दास	एमसीएचए विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली।
कर्नल(डा.)आर.एन.बासु	सीईओ एवं मेडिकल निदेशक, हई मेडिकेयर एण्ड रिसर्च इंस्टीटयूट, पटना
डा.एस.सतपथी	सह-आचार्य, अस्पताल प्रशासन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

आभार

इस पाठयक्रम की कोर टीम स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन की दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र-कार्यालय, नई दिल्ली के प्रति आभार व्यक्त करती है, जिन्होंने प्रारंभिक अवस्था पर इस परियोजना के कार्यान्वयन एवं इसे तैयार करने में सभी प्रकार का सहयोग दिया।

संशोधित मॉड्यूल तैयार करने में निरंतर सहायता, सहयोग एवं तकनीकी समर्थन के लिए एम.सी.एच.ए. विभाग, एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू. की अंश-कालिक-फैकल्टी के डा.आनंद, आर.टी. के भी आभारी हैं।

डी.एच.ए. पाठयक्रम के हमारे स्नातकोत्तर विद्यार्थियों डा.विनीत गोयल और डा. अनामिका खन्ना ने इस दस्तावेज के संपादन एवं शब्द संसाधन में असराहनीय कार्य किया है।

भूमिका

काफी लंबे अरसे से हमारा यह लक्ष्य रहा है कि प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के माध्यम से ष्सभी लोगों ष को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने में अस्पताल महत्वपूर्ण कड़ी है। यद्यपि चिकित्सा अधिकारी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में टीम के नेता और अस्पतालों के प्र ाबंधक होते हैं लेकिन उन्हें इन क्षेत्रों में प्रशिक्षण नहीं दिया जाता है। स्नातक और स्नातकोत्तर - दोनों स्तरों पर चिकित्सा पाठ्यक्रम में प्रबंधकीय कौशलों और नेतृत्व के गुणों के बारे में कोई प्रशिक्षण नहीं दिया जाता है। परिणामस्वरुप, सामान्यतः चिकित्सक में प्रबंधकीय कौशल विकसित नहीं हो पाता है। प्रायः यह देखने में आता है कि इन विषयों पर सलाह देने के लिए उन्हें निश्चित रुप से सचि वालयों/लिपिकीय कर्मचारियों पर निर्भर रहना पड़ता है। चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में इस खाई को पाटने की दिशा में स्नात्तकोतर अस्पताल प्रबंधन प्रमाण पत्र (दूरवर्ती शिक्षा के माध्यम से) पाठ्यक्रम का आरंभ सफल प्रयास है।

उपर्युक्त दृष्टिकोण से, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान ने आरंभ में विश्व स्- वास्थ्य संगठन से वित्तीय सहायता प्राप्त करके अस्पताल प्रशासन से संबद्ध अथवा इस क्षेत्र में अभिरुचि रखने वाले बहुत से चिकित्सा कार्मिकों को ऐसा प्रशिक्षण सुलभ कराने और उत्कृष्ठ अवसर उपलब्ध कराने के लिए दूरवर्ती शिक्षा के माध्यम से अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम तैयार किया है। एक राष्ट्रीय कार्यशाला में विभिन्न संस्थानों के उत्कृष्ट विशेषज्ञों द्वारा अस्पताल प्रशासन में प्रशिक्षण की आवश्यकताओं की पहचान करने के बाद, इस प्रयोजनार्थ विशेषज्ञ समूह द्वारा कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण सामग्री/साधन तैयार किए गए हैं। इसकी सुपाठ्यता, सुसंगतता, स्पष्टता और जीवन की विभिन्न स्थितियों में उनकी उपयोगिता की दृष्टि से मूल्यांकन करने के लिए शिक्षण सामग्री का पूर्व परीक्षण किया गया।

शिक्षण सामग्री को अंतिम रुप दिया गया और इन्हें अधिक जन-सुलभ तथा उपयोगी बनाने का प्रयास किया। प्रमुख विशेषज्ञ समूह ने तत्पश्चात 2002 में नियम पुस्तक के रुप में शिक्षण सामग्री को और विस्तृत संशोधित किया गया है।

आशा है कि इस पाठ्यक्रम की पाठक-सुलभ सामग्री चिकित्सकों में प्रबंधकीय क्षमताओं के ि वकास के लिए उपयोगी होगी।

एम.सी.कपिलाश्रमी
निदेशक
राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार
कल्याण संस्थान

नई दिल्ली
अगस्त, 2002